parag

AN INITIATIVE OF
TATA TRUSTS

पराग ऑनर लिस्ट 2021

बच्चों और किशोर पाठकों
के लिए हिंदी और अंग्रेजी
भाषा की उत्कृष्ट पुस्तकों
की परिष्कृत संग्रह सूची

टाटा ट्रस्ट्स के पराग इनिशिएटिव द्वारा बच्चों और किशोर पाठकों के लिए हिंदी और अंग्रेजी भाषा की उत्कृष्ट पुस्तकों की परिष्कृत संग्रह सूची है 'पराग ऑनर लिस्ट'। यह प्रतिवर्ष प्रकाशित की जाती है जिसमे साल भर में प्रकाशित उत्कृष्ट पुस्तकों की सूची, प्रत्येक शीर्षक के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी जाती है। यह सूची बाल साहित्य के विशेषज्ञों द्वारा कई स्तरों की स्क्रीनिंग एवं समीक्षाओं के पश्चात तैयार की गई है। इसके प्रकाशन का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण बाल साहित्य की एक व्यापक उत्कृष्ट सूची को लाइब्रेरियन, शिक्षकों, अभिभावक और बच्चों तक पहुँचाना है। जो इन्हें पढ़ें और दूसरों को सुझाएँ भी।

इस वर्ष की सूची के लिए तय चयन मानदंडों के अनुसार हमें 26 भारतीय प्रकाशकों से कथा, कथेतर एवं कविता विधाओं में पुस्तकें प्राप्त हुईं। ये मूल लेखन की पुस्तकें विगत अक्टूबर 2019 से लेकर सितंबर 2020 के बीच विभिन्न श्रेणियों जैसे चित्र-पुस्तक, नव एवं किशोर पाठक में प्रकाशित हुई हैं।

हमें उम्मीद है कि यह सूची वृहत पाठक वर्ग को सर्वश्रेष्ठ भारतीय बाल साहित्य तक की पहुँच के लिए समर्थ करेगी।

कथा

चित्र पुस्तक

क्या तुम हो मेरी दादी?

प्रकाशक जुगनू प्रकाशन
प्रकाशित 2020
लेखक सानिका देशपांडे
चित्रांकन सानिका देशपांडे

परिवार में मौत जैसी दुःखद घटना बच्चों के मन पर गहरा असर डालती है। उसका सामना और भी मुश्किल हो जाता हैं क्योंकि अक्सर, परिवार के बड़े इस विषय पर बच्चों से बात नहीं करते और आसपास का वातावरण ग़मगीन होने के कारण बच्चों के मन में उठते सवाल और डर दबे -दबे से रह जाते हैं। यह किताब दादी के चले जाने के बाद बच्ची के मन में आनेवाले विचारों की प्रस्तुति है जो बच्चों को अपनी बात रखने का संवेदनशील अवसर, बड़ी कुशलता से देती है।

जंगल किसका

प्रकाशक मुस्कान
प्रकाशित 2020
लेखक समीता उईके
चित्रांकन पूजा साहू

'मुस्कान' संस्था की बहुत ही सरल और छोटी सी दिखने वाली यह किताब अति संवेदनशील मुद्दे पर केंद्रित है। आज जब इंसान ने सभी जीवों की जगह हथिया ली है, यह कहानी इस नज़रिये को प्रस्तुत करती है कि यह धरती दूसरे जीवों की भी है। हम अनजाने में ही उनके घर और क्षेत्र में घुसपैठ कर रहे होते हैं। छोटी सी ये कहानी आदिवासी जीवन और लैंगिक समानता को भी बड़ी सहजता से प्रस्तुत कर देती है।

तारिक का सूरज

प्रकाशक जुगनू प्रकाशन
प्रकाशित 2020
लेखक शशि सबलोक
चित्रांकन तविशा सिंह

कहानी कहती है-- दुनिया इसके सभी रहवासियों से है। रहवासियों के बनाने से दुनिया बनती है। मिलकर जीवन जीने, एक दूसरे का ख्याल रखने, जरूरतों की कद्र करने से दुनिया बनी रही आती है। यह दुनिया के उजाले को बनाए रखने में अपने हिस्से के उजाले को शामिल करने की कहानी है। यह सब पाने के लिए पाठक को कहानी में कई बार डूबना उतरना पड़ता है। किताब में की गई चित्रकारी, किसी बच्ची-बच्चे शायद तारिक के बनाए चित्रों का आभास कराती है। यह दृष्टि चित्रकारी को नया आयाम देती है। पानी के रंगों से बने चित्र एक दूसरे से घुलते मिलते नज़र आते हैं।

मिट्टी

प्रकाशक मुस्कान
प्रकाशित 2020
लेखक मधु ध्रुवे
चित्रांकन उबीता लीला उन्नी

कहानी सशक्त है और समाज के उस वर्ग की परिस्थितियों के यथार्थ और मानवीय रिश्तों को दिखाती है जिनकी जगह आम बाल साहित्य में विरले ही मिलती है। कहानी में बच्ची का नाम मिट्टी ही बहुत कुछ कहता है। उसकी एक स्वाभाविक लेकिन असम्भव-सी इच्छा को पूरा करने के लिए माँ के सूझबूझ भरे जतन बच्चे के लालन-पालन की सीमाओं को एक अलग सन्दर्भ देते हैं। चित्र सहज सादगीपूर्ण और कहानी को बोलते-कहते लगते हैं। आठ पेज़ की एक रंगी छोटी-सी किताब कहानी के मामले में उम्दा है। बाल साहित्य में इस तरह की कहानियों का सादगी और सस्ते में आना सुकून देता है।

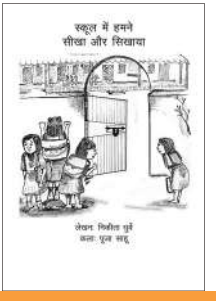

स्कूल में हमने सीखा और सिखाया

प्रकाशक मुस्कान
प्रकाशित 2020
लेखक निकीता धुर्वे
चित्रांकन पूजा साहू

यह छोटी-सी किताब अंग्रेजी माध्यम में पढ़नेवाले कई बच्चों की आपबीती हो सकती है। छोटे- बड़े गाँव शहरों में अभिभावक बड़े उम्मीदों से बच्चे को अंग्रेजी माध्यम के स्कूल में दाखिल करते हैं, पर ज़्यादातर बच्चों के लिए भाषा अपरिचित होने के कारण पढ़ाई कठिन और नीरस हो जाती है। यह किताब गोंड बच्चों के माध्यम से, इसी समस्या को उजागर करती हैं। यह श्रृंखला सरल भाषा,सहज प्रस्तुति और सार्थक प्रयास का उदाहरण है, जिसपर छात्र और शिक्षकों के बीच चर्चा निहायत जरुरी है।

चार चींटियाँ

प्रकाशक एकलव्य
प्रकाशित 2019
कवि श्याम सुशील
चित्रांकन निहारिका शिनॉय

यह छोटी सी कहानी एक अनोखे फॉर्मेट में प्रस्तुत की गयी है, जो नए पाठकों को आकर्षित करेगी। चार चींटियां जो एक हाथी को पहाड़ मानकर मुश्किलों का सामना करती, उस पर चढ़ जाती हैं, और सब से छोटी तो चोटी पर जा पहुँचती हैं। ख़ास बात यह है कि वह एक सकारात्मक बात, बहुत ही कम और सीधे सादे शब्दों में, बच्चों के सामने रख जाती है। किताब की दुनिया से बच्चों की दोस्ती कराने वाली किताब।

कथा

नव पाठक

गोदाम

प्रकाशक जुगनू प्रकाशन
प्रकाशित 2020
लेखक विनोद कुमार शुक्ल
चित्रांकन तपोशी घोषाल

इस कहानी में वेदना और संवेदना दोनों हैं। कहानी में पेड़-पौधों, पशु-पक्षियों और प्रकृति के प्रति बहुत ही संवेदनशील दृष्टिकोण उभर कर सामने आता है। लेकिन दूसरी ओर इस संवेदना को तार-तार करती हुई भौतिकवादी इंसान की प्रवृत्ति की तस्वीर भी उभरती है। दोनों के टकराव को लेकर यह बेहतरीन कहानी बुनी गई है। कहानी का नाम गोदाम क्यों है और उस गोदाम में इंसान की क्या जगह है, यह कहानी के अंत में पता चलता है।

कथेतर

कविता

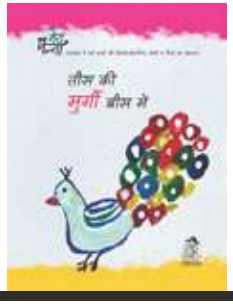

तीस की मुर्गी बीस में

प्रकाशक एकलव्य
प्रकाशित 2020
लेखक संकलन
चित्रांकन संकलन

यह पूरे भारत के अलग-अलग क्षेत्रों के बच्चों द्वारा रचित चित्रों के साथ छोटी-बड़ी, खट्टी-मीठी, सरल-पेचीदा किस्से-कहानियों का संग्रह है। इसमें सभी वर्गों के पाठकों के लिए कुछ न कुछ मज़ेदार या दिलचस्प मिल जाता है। ये कहानियां केवल मनगढ़ंत ही नहीं बल्कि बच्चों की और आम लोगों की ज़िन्दगी की कहानियां भी हैं जिनके साथ बच्चे अपनी ज़िन्दगी को भी जोड़ सकेंगे।

भूलभुलैया

प्रकाशक एकलव्य
प्रकाशित 2020
लेखक संकलन
चित्रांकन संकलन

एकलव्य की पत्रिका चकमक के कॉलम 'माथापच्ची' में छपी गतिविधियों का सुविचारित संकलन है। इनमें पहेलियाँ, भूलभुलैया, सुडोकू, छुपनछुपाई, अन्तर खोजो और माथापच्ची के सवाल शामिल हैं। पहेलियाँ, बच्चों और बड़ों को मजेदार दिमागी खेलों के साथ खेलते हुए समस्याओं और सवालों से जूझने व सुलझाने, चीज़ों को बारीकी से देखने और तलाशने, तर्क वितर्क करने, कार्य-कारण रिश्ते खोजने, अंतरों को पहचानने, अनुमान लगाने, तुलना व कल्पना करने और कई हस्तकौशल आदि के अवसर मुहैया कराती हैं। पहेलियों और चित्रों का संयोजन उम्दा है। चित्र बच्चों के जीवन से जुड़े प्रतीत होते हैं पाठकों को बातचीत और सोचने विचारने का अवसर देते हैं।

तुम भी आना

प्रकाशक जुगनू प्रकाशन
प्रकाशित 2020
कवि नवीन सागर
चित्रांकन एलन शॉ

इस किताब में हिन्दी के अद्वितीय कवि नवीन सागर की ढेर सारी कविताओं का अनूठा संकलन है। इन कविताओं में वह सब कुछ है जो बचपन के इर्द गिर्द होना चाहिए। कल्पनाओं की उड़ान, रिश्तों की गर्माहट और संवेदनाएँ हैं। बच्चों की शैतानियाँ और हिदायतें हैं। उनकी आज़ादी, उत्सुकता, खिलंदड़पन और भाषा व शब्दों के खेल हैं। और यह सब कुछ बच्चों और बड़ों के आसपास के जीवन सन्दर्भों से लेकर पिरोया हुआ है। कविता दादाजी नाराज़ है मानवीय संवेदनाओं की मर्मस्पर्शी बानगी प्रस्तुत करती है।

भाई तू ऐसी कविता क्यों करता है

प्रकाशक जुगनू प्रकाशन
प्रकाशित 2020
कवि सुशील शुक्ल
चित्रांकन वन्दना बिष्ट

किताब की कविताएँ बच्चे के हाथ लगे किसी नए खिलौने जितना ही मजा देती हैं। बच्चे उन्हें उछालकर, घुमा फिरा कर, आगे-पीछे फेंककर और उनमें झाँककर कैसे भी खेल सकते हैं। कविताओं के विषय और उनका अंदाजेबयाँ बेहद अनूठा है। अर्थपूर्ण तुकबन्दियाँ, कल्पनाओं की निरंतरता, सुन्दर लयकारी, कविता में कहानी कहने का सलीका और सिलसिलेवार बतियाने का तरीका नायब है। कुछ कविताओं में से झाँकती मुस्कुराहटें, खुशियाँ और मस्तियाँ दिलचस्प हैं। कविता 'एक कहानी कहनी है' बार-बार गुनगुनाने का मन करता है। चित्र कल्पनाओं में नए रंग भरने और बातचीत के मौके बनाते हैं।

मेरा खच्चर डण्डा है

प्रकाशक एकलव्य
प्रकाशित 2020
लेखक संकलन
चित्रांकन संकलन

देश के अलग अलग प्रदेशों से आनेवाले बच्चों द्वारा लिखी गयी चुनिंदा कविताओं का यह खुशमिजाज संकलन हर स्कूल की लाइब्रेरी में होनी चाहिए। सभी कविताएं बेहद सहज और सरल हैं ,खूबसूरत चित्रों से सजाई हुई। कविताओं के विषय आम तौर पर पाठ्यपुस्तकों में मिलनेवाली कविताओं की तरह भारी- भरकम नहीं, बच्चों की दुनिया से जुड़े हुए हैं इसलिए वे बच्चों को जरूर पसंद आएंगी। बच्चों को कविताओं और किताबों की दुनिया से ख़ुशी -ख़ुशी जोड़नेवाली किताब, बेहद आकर्षक प्रस्तुति!

कथा

युवा पाठक

एक चोर की चौदह रातें

प्रकाशक जुगनू प्रकाशन
प्रकाशित 2020
लेखक अरुण कमल
चित्रांकन अतनु राय

जैसा की नाम में ही निहित है, ये एक चोर की चौदह रातों का ताना-बाना है। हर रात की एक कहानी है और हर कहानी जीवन और दुनिया के कड़वे सच से रूबरू करवाती है। ये कहानियां पाठक को सोचने पर मजबूर करती हैं कि आखिर चोर, साधू-संत, भला या बुरा- क्या ये सब वर्गीकरण सचमुच इंसान के चरित्र और कर्म पर आधारित हैं या समाज द्वारा गढ़ा गया भ्रम। किशोरों के लिए ये कहानियां एक अनमोल खज़ाना हैं।

पहली उड़ान

प्रकाशक जुगनू प्रकाशन
प्रकाशित 2020
लेखक अमित कुमार
चित्रांकन प्रशांत सोनी

जंगली जीवों पर आधारित किस्सों के इस संकलन में बहुत रोमांचकारी कहानियां हैं जिन्हें पढ़कर पाठक बिलकुल मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। उस लिहाज़ से यह संकलन ऐसे दूसरे संकलनों के समान है। लेकिन जो बात इसे ख़ास बनाती है, वो इसके रोमांचकारी किस्सों से भी ज़्यादा यह है कि लेखक ने जंगली जीवों की आदतों, उनके हाव-भाव और उनकी संरचना आदि का बहुत बारीक वर्णन भी कहानियों में समाहित किया है और वह भी उनके रोमांच को बरकरार रखते हुए।

हवा मिठाई

प्रकाशक जुगनू प्रकाशन
प्रकाशित 2020
लेखक अरुण कमल
चित्रांकन भार्गव कुलकर्णी

किताब में आम इन्सान के जीवन में रची बसी चीजों हवा, जल, मिटटी, आलू, साइकिल, मिर्ची आदि के बारे में नायब और अनसुनी बातें हैं। जो ललित निबन्ध सा आनन्द देते है। लेखक इन चीजों को अपनी अनोखी व बारीक नज़रों से देखते और अभिभूत करते हैं। चीजों को नज़दीक से देखने और बयाँ करने की सूक्ष्म दृष्टि मिलती है। सच्चाइयों और कल्पनाओं का तालमेल पढ़ने की उत्सुकता बनाए रखता है। भाषा रवानगी और प्रस्तुतिकरण किताब को अनूठा बनाते हैं। चित्र भी उतने ही सलोने और बोलते हैं, जितनी इसकी छोटे-छोटे वाक्यों में सधी हुई भाषा। पाठक को समृद्ध भाषा व अभिव्यक्ति के विविध रूपों से परिचित होने के मौके मिलते हैं।

जूरी कहते हैं...

सुनीता मिश्रा

सुनीता मिश्रा इंस्टिट्यूट ऑफ़ होम इकोनॉमिक्स के प्राथमिक शिक्षा विभाग में कार्यरत हैं और भाषा-शिक्षण, भाषा-विज्ञान तथा बाल-साहित्य के विषय पढ़ाती हैं। बाल-साहित्य व कहानियों के माध्यम से भाषा-शिक्षण में उनकी विशेष रूचि है। भाषा के संज्ञानात्मक पहलू पर उनका शोध भी है और रूचि भी।

“ मेरे विचार से बाल-साहित्य का सबसे महत्वपूर्ण आयाम है बच्चों की कल्पनाशीलता और दुनिया को देखने-समझने के उनके नज़रिये के लिए पर्याप्त अवसर होना। बाल-साहित्य का उद्देश्य कहानियों में बच्चों को पात्र बना देना भर नहीं है बल्कि बच्चों के नज़रिये से दुनिया और जीवन के अनुभवों को समझना है। यहाँ दो बात ज़रूरी हैं - १. हमेशा ही अति सरल या सकारात्मक होना आवश्यक नहीं है और, २. किशोरों के लिए भी बाल-साहित्य में सामग्री होनी चाहिए।

अरुंधती देवस्थले

विश्व बालसाहित्य में गहरी दिलचस्पी और कई संस्कृतियों के बीच काम, संस्थाओं से जुड़ाव का सौभाग्य। यूरोपीय भाषाओं से पिक्चर बुक्स का हिंदी, मराठी और अंग्रेज़ी में अनुवाद और संपादन। फिलहाल उत्तराखंड के गाँवों में बच्चों को पढ़ाने और वाचनालय चलाने का काम, लड़कियों की शिक्षा और प्रगति के लिए विशेष प्रयास।

“ बाल साहित्य में देखना चाहती हूँ खूब सारी ख़ुशी, खिले-खिले चित्र, कल्पना की खुली उड़ान और फिर, उम्मीदें, दायरों का विस्तृत होना, मानवीय मूल्यों के बीज, और सकारात्मकता की तरफ ले जानेवाली सोच। किताबें यानि ज्ञान, सीख जैसे उबाऊ भ्रम जितने जल्दी टूटे उतना अच्छा! किताबों से रिश्ता मौजमस्ती से शुरू हो, तभी तो पनपेगा। आनेवाली पीढ़ियां विश्व की नागरिक हैं, उन्हें विभिन्न संस्कृतियों से सुन्दर किताबें मिलनी चाहिए, जो उनकी दुनिया समृद्ध करें, और हर संकुचितता से बचाये।

गुरबचन सिंह

गुरबचन सिंह ने चार दशक तक सार्वजनिक स्कूली शिक्षा में काम किया है। इस दौरान राज्य संसाधन केन्द्र, भोपाल के निदेशक रहे हैं। टीकमगढ़ के बाल साहित्य केन्द्र के संस्थापक सदस्य है। इस संस्था से दो दशक तक जुड़े रहे हैं। शैक्षिक पलाश और बच्चों की पत्रिका गुल्लक के सम्पादक रहे हैं। बाल साहित्य में विशेष रुचि है और इसे बच्चों और किशोरों की अच्छी शिक्षा में अनिवार्य अवयव के रूप में देखते हैं। फ़िलहाल अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा पर प्रकाशित पत्रिका 'पाठशाला भीतर और बाहर' के कार्यकारी सम्पादक हैं।

"साहित्य से बच्चों को निर्दोष आनन्द मिले। विषय और प्रस्तुति में नयापन हो। रचनाओं में बच्चों की प्रकृति और अभिरुचियों की स्वाभाविक उपस्थिति दर्ज़ हो। बच्चों की रोजमर्रा जिन्दगी की छवियाँ हों। कौतूहल, सक्रियता और रचनाशीलता जैसे गुणों को विकसित करने के मौके बन रहे हों। ज्ञान और समझ के साथ सौन्दर्यबोध, कल्पनाशीलता और भावनात्मक विकास की पुख्ता संभावनाएँ बनें। आसपास की दुनिया को देखने का नया दृष्टिकोण मिले।
भाषा सरल व समृद्ध और पाठक को बाँधने वाली हो। बच्चे पढ़ने में रस ले सकें। हिन्दी भाषा के लालित्य, समृद्धिशाली परम्परा और विविध विधाओं से परिचित हो सकें।

parag

AN INITIATIVE OF TATA TRUSTS

टाटा ट्रस्ट्स का पराग इनिशिएटिव 'पढ़ने की बदलावकारी ताकत' के विश्वास से संचालित है और जो यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है कि पूरे भारत भर के बच्चे विशेष रूप से विविध भाषाओं में पढ़ने का रस व आनंद ले सकें| बाल साहित्य के सोर्सिंग, प्रकाशन व प्रसार के लिए पराग के तीन मॉडल्स ने बच्चों और युवाओं के बीच आनंदपूर्ण पठन को प्रोत्साहित करने के लिए बच्चों के साहित्य, पठन और साक्षरता के पारिस्थितिकी तंत्र को उत्प्रेरित किया है|

Visit us:
www.paragreads.in

Contact us:
paragreads@tatatrusts.org

Follow us:
/ParaganinitiativeofTataTrusts
/ParagReads